उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

हिंदी एवं भाषा विज्ञान पाठ्यक्रम (एम.फिल्.)

एम.फिल्. (हिंदी) पाठ्यक्रम (सत्र 2017–18 तथा पश्चात्)

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र–	शोध प्रविधि	पूर्णांक : 100
द्वितीय प्रश्नपत्र–	प्रयोजनमूलक हिंदी अथवा आधुनिक हिंदी काव्य	पूर्णांक : 100

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र–	हिंदी साहित्य : वैचारिक पृष्ठभूमि अथवा आधुनिक कथा साहित्य	पूर्णांक : 100
द्वितीय प्रश्नपत्र–	लघु शोध प्रबंध एवं मौखिकी	पूर्णांक : 100

प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के उपर्युक्त प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रमों का विवरण संलग्न है।

नोट :– प्रथम सेमेस्टर के दोनों प्रश्नपत्र तथा द्वितीय सेमेस्टर का प्रथम प्रश्नपत्र 80 अंकों का होगा। इन्हीं प्रश्नपत्रों का 20 अंकों का आंतरिक मूल्यांकन होगा। (इस आंतरिक मूल्यांकन में 10 अंक कक्षा परीक्षा (क्लास टेस्ट), 05 अंक समसामयिक एवं चर्चित पुस्तकों की अनिवार्य पुस्तक समीक्षा एवं 05 अंक उपस्थिति के होंगे।) द्वितीय सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र, जिनमें लघुशोध प्रबंध तथा मौखिकी परीक्षा भी सम्मिलित है, 100 अंकों की होगी। जिसमें 60 अंक लघु शोध प्रबंध मूल्यांकन तथा 40 अंक लघु शोध प्रबंध विषयक मौखिकी हेतु निर्धारित है।

प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र

शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया

इकाई–I शोध : स्वरूप और महत्त्व–

- शोध : अर्थ और प्रकृति, शोध के तत्व।
- शोध के स्वरूप।
- शोध और आलोचना।
- पाठानुसंधान।

इकाई–II शोध की पद्धतियाँ–

- साहित्य अनुसंधान एवं व्यावहारिक अनुप्रयोग।

इकाई–III शोध की प्रक्रिया–

- रूपरेखा निर्माण।
- विषय निर्धारण : संकल्पना एवं महत्त्व।
- सामग्री संकलन।
- पुस्तकालय एवं अन्य संसाधन–सामग्री विश्लेषण एवं संयोजन
- साक्षात्कार।
- प्रश्नावली।
- शोध पत्र।
- आधार ग्रंथ एवं संदर्भ ग्रंथ।

इकाई–IV हिंदी शोध की दिशा और दशा।

संदर्भ ग्रंथ

1. शोध–प्रविधि – डॉ. विनय मोहन शर्मा
2. अनुसंधान की प्रक्रिया – डॉ. सावित्री सिन्हा तथा विजयेन्द्र स्नातक (संपादक)
3. अनुसंधान का विवेचन – डॉ. उदयभानु सिंह
4. अनुसंधान – डॉ. सत्येंद्र
5. साहित्य, सिद्धांत और शोध – डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
6. नवीन शोधविज्ञान – डॉ. तिलक
7. साहित्यिक शोध के सिद्धांत एवं समस्याएँ – डॉ. देवराज उपाध्याय तथा डॉ. रामगोपाल शर्मा
8. अनुसंधान का स्वरूप – डॉ. सावित्री सिन्हा (संपादक)
9. शोध–प्रविधि और प्रक्रिया – रावत तथा खंडेलवाल
10. अनुसंधान के मूल तत्त्व – विश्वनाथ प्रसाद (संपादक)
11. शोध–प्रक्रिया एवं विवरणिका – डॉ. सरनाम सिंह शर्मा 'अरुण'
12. शोध, तत्त्व और दृष्टि – डॉ. रा. खंडेलवाल
13. अनुसंधान और आलोचना – डॉ. नगेंद्र
14. पाठानुसंधान – डॉ. विमलेक्षा कांति
15. पाठानुसंधान – डॉ. कन्हैया सिंह
16. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप – डॉ. सुमन राजे
17. शैली विज्ञान और आलोचना की नई भूमिका – डॉ. रवींद्र श्रीवास्तव
18. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया – डॉ. राजेंद्र मिश्र
19. अनुसंधान प्रविधि – डॉ. गणेशन
20. हिंदी अनुसंधान – डॉ. विजयपाल सिंह
21. पाण्डुलिपि विज्ञान – डॉ. सत्येंद्र
22. पाठानुसंधान – डॉ. सियाराम तिवारी
23. शैली विज्ञान – डॉ. नगेंद्र
24. रीति विज्ञान – डॉ. विद्यानिवास मिश्र
25. शैली विज्ञान – डॉ. सुरेश कुमार
26. शैली और शैली विश्लेषण – डॉ. पांडेय शशिभूषण 'शीतांशु'
27. साहित्य, संस्कृति और सौंदर्य – डॉ. रतनकुमार पांडेय (संपादक)
28. साहित्य और संस्कृति के सरोकार – डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
29. हिंदी भाषा : संदर्भ और संरचना – प्रो. सूरजभान सिंह
30. कंप्यूटर और हिंदी – डॉ. हरिमोहन

द्वितीय प्रश्नपत्र
प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई–I प्रयोजनमूलक हिंदी : भाषिक स्वरूप एवं प्रयुक्तियाँ–

- प्रयोजनमूलक हिंदी अवधारणा एवं विषय क्षेत्र।
- प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रकार एवं अनुप्रयोग–क्षेत्र

इकाई–II कार्यालयी हिंदी : टिप्पण एवं प्रारूपण

- हिंदी के प्रयोजनमूलक संदर्भ एवं महत्व।
- प्रशासनिक भाषा के रूप में हिंदी की विकास–यात्रा।

इकाई–III राजभाषा हिंदी : संवैधानिक स्थिति

- राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान।
- राजभाषा अधिनियम, 1963 तथा राजभाषा नियम, 1976

इकाई–IV अनुवाद सिद्धांत एवं अनुप्रयोग–

- अनुवाद से तात्पर्य एवं अनुवाद की प्रक्रिया।
- अनुवाद के विविध प्रकार।
- कार्यालयी हिंदी और अनुवाद।
- साहित्यिक अनुवाद : समस्याएँ एवं समाधान।

संदर्भ ग्रंथ :–

– अनुवाद : अवधारणा और अनुप्रयोग– डॉ. सत्यदेव मिश्र, रामाश्रय सविता।
– अनुवाद कला : डॉ. एन.ई. विश्वनाथ अय्यर।
– अनुवाद विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी।
– अनुवाद और अनुप्रयोग : प्रो. दिनेश चमोला "शैलेश"
– अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण : प्रो. हरिमोहन।
– अनुवाद स्वरूप एवं प्रक्रिया : डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया।
– अनुवाद सिद्धांत एवं अनुप्रयोग : डॉ. जी गोपी नाथन।
– अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ : डॉ. रवींद्र नाथ श्रीवास्तव, कृष्ण कुमार गोस्वामी।
– अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा : डॉ. सरेश कुमार।
– अनुवाद साधना : डॉ. पूरन चंद टंडन।
– पारिभाषिक शब्दावली की समस्याएँ– संपादक डॉ. भोलानाथ तिवारी, महेंद्रनाथ चतुर्वेदी
– प्रशासनिक शब्दावली (अंग्रेजी, हिंदी) वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, दिल्ली।
– व्यावहारिक राजभाषा शब्द कोश : प्रो. दिनेश चमोला "शैलेश"
– प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ।
– प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत एवं प्रयोग : डॉ. दंगल झाल्टे।
– प्रयोजनमूलक एवं व्यावहारिक हिंदी : प्रो. मंजुला राणा।
– प्रयोजनमूलक हिंदी के आधुनिक आयाम : डॉ. महेंद्र सिंह राणा।
– प्रयोजनमूलक हिंदी : संरचना और अनुप्रयोग : डॉ. राम प्रकाश, अरुणेश गुप्त।
– कामकाजी हिंदी : डॉ. केशरी लाल वर्मा।
– प्रयोजनमूलक प्रशासनिक हिंदी : प्रो. दिनेश चमोला "शैलेश"
– प्रशासन में राजभाषा हिंदी : डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया।
– राजभाषा हिंदी : डॉ. भोलानाथ तिवारी।
– राजभाषा हिंदी : विवेचना और प्रयुक्ति : डॉ. किशोर वासवानी।
– हिंदी भाषा का इतिहास : डॉ. धीरेंद्र वर्मा।
– हिंदी : उद्भव विकास और रूप : डॉ. हरदेव बाहरी।
– हिंदी भाषा का उद्गम और विकास : डॉ. उदय नारायण तिवारी।
– हिंदी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी।
– प्रयोजनी हिंदी : प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित

अथवा
आधुनिक हिंदी काव्य

नोट :– आधुनिक हिंदी काव्य के अंतर्गत एक प्रश्न उत्तराखंड से संबंधित कवियों पर अनिवार्यतः आधारित होगा। अन्य प्रश्न आधुनिक हिंदी काव्य के आलोचनात्मक पक्ष से संबंधित होंगे।

1. मैथिलीशरण गुप्तः साकेत (नवम सर्ग)
2. जयशंकर प्रसादः कामायनी (श्रद्धा सर्ग)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी निरालाः राम की शक्ति पूजा
4. सुमित्रानंदन पंतः नौकाविहार

उत्तराखंड से संबंधित कवियों का काव्य :–

(i). डॉ. श्याम सिंह शशि : अग्नि सागर (दिशा दो)।

(ii). डॉ. वीरेन डंगवाल (पांच प्रमुख कविताएँ)। रामसिंह, इस बार वसंत, धन का धन, फ्यूली-1, हम औरतें

(iii). डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक। 'देश हम जलने न देंगे' संग्रह की (प्रमुख पांच कविताएँ)। अंधेरा मिटाने, मैं स्वयं ही, धधकते स्वर, पहचान, सिफारिश

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

छायावाद के आधार स्तंभ – गंगा प्रसाद पांडेय
हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि -- डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
निराला की साहित्य साधना (भाग–1, 2) – डॉ. राम विलास शर्मा
सुमित्रानंदन पंत : जीवन और साहित्य (भाग–1, 2) -- शांति जोशी
हिंदी साहित्य का इतिहास -- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
हिंदी साहित्य का इतिहास – संपादक डॉ. नगेंद्र
जयशंकर प्रसाद – नंदुलारे वाजपेयी
प्रसाद का काव्य – डॉ. प्रेमशंकर
कामायनी : एक पुनर्विचार -- मुक्तिबोध
कवि निराला -- आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
क्रांतिकारी कवि निराला – डॉ. बच्चन सिंह
निराला का अलक्षित अर्थ गौरव – डॉ. पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'
इतिहास और आलोचना – डॉ. नामवर सिंह
आधुनिक हिंदी कविता में काव्यचिंतन -- डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
कविता के नए प्रतिमान -- डॉ. नामवर सिंह
समकालीन हिंदी कविता की भूमिका -- डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्याय
समकालीन हिंदी कविता -- डॉ. ए. अरविंदाक्षन
साहित्य और संस्कृति के सरोकार – डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
छायावाद की सही परख पहचान – प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित
छायावाद का व्यावहारिक सौंदर्य -- प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित
राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता समीक्षा भाष्य -- प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित

(द्वितीय सेमेस्टर)

प्रथम प्रश्नपत्र

हिंदी साहित्य : वैचारिक पृष्ठभूमि

इकाई–I हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि, साहित्य की विविध विधाएँ।

इकाई–II आदिकालीन हिंदी साहित्य : वैचारिक पृष्ठभूमि।

इकाई–III मध्यकालीन हिंदी साहित्य : वैचारिक पृष्ठभूमि।

इकाई–IV आधुनिक हिंदी साहित्य : वैचारिक पृष्ठभूमि।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र
3. आदिकाल – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. समकालीन विचारधाराएँ और साहित्य – डॉ. राजेंद्र मिश्र
5. हिंदी साहित्य और गांधीवादी चेतना – सं. डॉ. सुशीला गुप्ता
6. मध्ययुगीन हिंदी काव्य में वैष्णव संस्कृति और समाज – नागेंद्र सिंह
7. आधुनिक भावबोध – डॉ. पी.वी. कृष्णनायर
8. भारतीय नवजागरण : प्रणेता तथा आंदोलन – गौरीशंकर भट्ट
9. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह 'दिनकर'
10. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन – डॉ. शिवकुमार मिश्र
11. आधुनिक भावबोध की संज्ञा – अमृतराय
12. आधुनिकता और हिंदी साहित्य – इंद्रनाथ मदान
13. आधुनिकता और आधुनिक बोध – देवेंद्र इस्सर
14. आधुनिक हिंदी कविता का वैचारिक पक्ष – डॉ. रतन कुमार पांडेय
15. विचार और अनुभूति – डॉ. नगेंद्र
16. आधुनिक भारतीय चिंतन – विश्वनाथ
17. आधुनिक सामाजिक आंदोलन और आधुनिक हिंदी साहित्य – कृष्णबिहारी मिश्र
18. भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन का इतिहास – मन्मथनाथ गुप्त
19. परंपरा का मूल्यांकन – डॉ. रामविलास शर्मा
20. पाश्चात्य काव्य चिंतन – डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
21. भारतीय दलित साहित्य : परिप्रेक्ष्य – पुन्नी सिंह (संपादक)
22. स्त्री और स्त्री विमर्श – क्षमा शर्मा
23. उत्तर आधुनिक विमर्श – डा. सुधीश पचौरी
24. साहित्य और संस्कृति सरोकार – डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
25. मध्यकालीन काव्य : चिंतन और संवेदना – डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
26. हिंदी का विश्व संदर्भ – डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

अथवा।

नोट :– आधुनिक कथा साहित्य के अंतर्गत एक प्रश्न उत्तराखंड के कथाकारों से संबंधित अनिवार्य होगा। जिसमें प्रत्येक कहानीकार की एक–एक कहानी संबद्ध की जाएगी। अन्य प्रश्न आधुनिक कथा साहित्य के आलोचनात्मक पक्ष से संबंधित होंगे।

(i). शैलेश मटियानी। लो, तुम भी रख लो,
(ii). विद्यासागर नौटियाल। सुच्ची डोर
(iii). हिमांशु जोशी। तरपन अथवा
(iv). डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक। खड़े हुए प्रश्न
(v). सुरेश उनियाल। राका बड़ी

द्वितीय प्रश्नपत्र

लघु शोध–प्रबंध एवं मौखिकी परीक्षा	–	60 अंक शोध प्रबंध मूल्यांकन
	–	40 अंक तद् विषयक मौखिकी।

––00––